दुर्गीभाग - कन्दार/ऊष्मा प्रदेश
पश्चिमी भाग - बालुका (स्तूप) (धोरा)

⇒ भारत की मरुस्थल का औसत ऊँचाई — 325 m
⇒ सामान्य ढाल — पश्चिम की ओर
⇒ इस रेगिस्तान का पूर्वी भाग कठोर चट्टान युक्त है जबकि पश्चिमी भाग बालुका है। यह कहलाता है "धोरा" ।
⇒ अरावली के पास भाग कहलाता है — राजस्थान बागर
⇒ यहाँ अरावली से निकली वर्षाती नदियाँ सिंचाई करती है यह उर्वर क्षेत्र है और कहलाता है — रोही
⇒ इस भाग की एक मात्र नदी जो भारत को पार कर अरब सागर तक पहुँचती है — लूनी (सबसे खारी पानी का नदी)
⇒ लूनी की सहायक नदी — जोजरी, खारी, बांडी, सुखरी
⇒ लूनी के उत्तर का मैदान कहलाता है — थली
(B) यहाँ खारे पानी की झीलें मिलती है — सांभर झील, लूनकरणसर झील, डिडवाना झील, पंचभद्रा झील
225 V km राजस्थान की सबसे बड़ी
⇒ सांभर झील — भारत की सबसे खारी झील।
⇒ जैसलमेर — पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस का विशाल भंडार मिला है।

(C) दक्षिण-पूर्वी मैदान :⇒ यहाँ की नदियाँ - चम्बल, बनास, कोठारी etc.

जावरमाला क्षेत्र - जस्ता, कैडमियम, सीसा
दरीबा-अगुचा खान -

⇒ राजस्थान का यह भाग खनिज सम्पन्न भाग है यहाँ चाँदी, जस्ता, सीसा आदि मिलते हैं
ex → उदयपुर में - जावरमाला खान → पूरे भारत में जस्ता का एक मात्र स्थान।
भीलवाड़ा — दरीबा - अगुचा खान — दरीबा यहाँ सीसा मिलता है।

आवरमाला का स्थान - मलेटा
दरीबा, अगुचा खान - सीसा
खेतरी का खान - तांबा

(14)

- खेतरी का स्थान → हड़प्पा काल से यहाँ तांबा का उत्पादन होता है।

(ii) पंजाब हरियाणा का मैदान :-

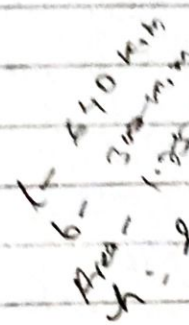

पंजाब के मैदान को ही कहा जाता है सतलज का मैदान।

L- 640 km
B- 300 km
Area - 1.75 lakh km²
h - 250 m

* अरावली का उत्तरी विस्तार दिल्ली के पास दिल्ली की पहाड़ी कहलाता है यह दिल्ली पहाड़ी पंजाब के मैदान को गंगा के मैदान से अलग करती है।
* दिल्ली की पहाड़ी को भी कहा जाता है - सारबिन्दु जल विभाजक
* पंजाब हरियाणा मैदान की लम्बाई - उत्तर पश्चिम से दक्षिण पूर्व की ओर - 640 km
    चौड़ाई - पूर्व से पश्चिम की ओर - 300 km
    क्षेत्रफल - 1.75 लाख वर्ग k.m.
    औसत ऊंचाई - 250 m. MSL से ऊपर
* यमुना नदी इस मैदान की हरियाणा के पास सीमा बनाती है।
* यह मैदान पांच नदीयों के जल से निर्मित है रावी, सतलज, झेलम, व्यास, चिनाव।
* यहाँ पूर्व से पश्चिम की ओर पांच दोआब है

(a) बिस्त जालंधर दोआब → व्यास और सतलज के बीच
(b) बारीय दोआब - व्यास और रावी के बीच
(c) रचना दोआब - रावी और चिनाव के बीच
(d) चाज दोआब - चिनाव और झेलम के
(e) सिन्ध सागर दोआब - झेलम/चिनाव - सिन्धु के बीच

* सतलज नदी के दक्षिण में - मालवा का मैदान, कपास का उत्पादन होता है।
* हरियाणा में, घग्गर और यमुना के बीच का मैदानी भाग कहलाता है - हरियाणा का मैदान

* हरियाणा का मैदान; यमुना और सतलज नदी के बीच जल विभाजक है।

* यमुना और सतलज के बीच 'घग्घर नदी' को प्राचीन सरस्वती नदी का उत्तराधिकारी माना जाता है।

⇒ पंजाब और हरियाणा के मैदान में निम्नलिखित विभाग स्थलाकृति पायी जाती है -

(i) तल्ली - दो टीले के बीच आवाचय निम्न भाग तल्ली कहलाता है।

(ii) ढांड - जब तल्ली में वर्षा का जल भरता है तो यही ढाड कहलाता है।

(iii) चो → पंजाब के मैदान में नदी निर्मित गड्ढे चो कहलाते हैं।

* सर्वाधिक 'चो' होशियारपुर जिले में है।
* सभी चो 'पूर्वी बेन' और 'काली बेन' नदियों से मिलते हैं और अंतत: सतलज से मिल जाती हैं।

(iv) धाया → पंजाब में खादर का मैदान 'धाया' कहलाता है।

(v) बेट → पंजाब में नदियों के किनारे 10-12 Km चौड़े 'बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र' बेट कहलाते हैं। यहाँ बाढ़ के कारण नवीन जलोढ़ का प्रतिवर्ष निक्षेपण होता है।

निम्न भाग

वर्षा का जल भरना

नदी निर्मित गड्ढे

खादर के मैदान

बाढ़ग्रस्त क्षेत्र